DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPI Sunday Pioneer
NEW DELHI | SUNDAY | JANUARY 11, 2026

DDA hands over land to GGSIPU, DeTU for Narela campuses

PIONEER NEWS SERVICE
■ New Delhi

In a move to develop Narela Sub City as an educational hub, the Delhi Development Authority (DDA) has handed over possession of land to Guru Gobind Singh Indraprastha University (GGSIPU) and Delhi Teachers' University (DeTU) for setting up their campuses in Narela.

According to a press statement issued by Lok Niwas, the GGSIPU has been handed over the possession of 22.43 acres of land in Narela, for which a payment of ₹162.90 crore has been made to the DDA. With this, the GGSIPU is set to establish its third campus, expanding its footprint in North Delhi. At present, the university operates from its main campus in Dwarka and its East Delhi campus at Surajmal Vihar.

Delhi Teachers' University has been given 12.69 acres of land in sector G-2/G-6 in Narela, for which the Delhi Government has paid ₹92.16 crore to DDA.

Similarly, Delhi Teachers' University will soon commence the work on setting up its own dedicated campus, which is currently functioning out of a school building, lacking basic infrastructural facilities, in North Delhi's Mukherjee Nagar.

Delhi's Education Minister, Ashish Sood, was present on the occasion and received the land possession documents. Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena and the Minister of Education congratulated the universities and said that the expansion of their campuses would go a long way in providing quality education not only to students from Delhi but also from across the country and would reaffirm Delhi's position as a leading centre of higher education.

Interestingly, the DDA, at the request of these Delhi Government Universities for setting up new campuses, had allotted the land in January 2024 itself.

However, the then Kejriwal government chose to neglect the universities' requests and refused to make any payment to DDA for the allotted land parcels. On several occasions, LG personally requested Kejriwal to make budgetary provisions for the purchase of land, but in vain.

Subsequently, the allotment of land was put in abeyance. In January 2024, the LG, acting on the demands and to provide a boost to infrastructure development in Narela, allotted 181 acres of land to seven government universities and institutions.

The Rekha Gupta government, in her very first budget, allotted ₹500 crore for these universities, out of which Rs 452 crore has already been paid to the DDA.

According to a Lok Niwas official, DDA in November 2025 also approved the change of land use in Narela Sub-City for the development of university campuses. Strategically located near Urban Extension Road-I and along the proposed Rithala-Narela-Kundli Metro corridor, the area offers enhanced public accessibility and connectivity, further supporting the planned development of Narela as an education hub.

Later, addressing a press conference, Sood announced increasing the Narela sub-city's project outlay from ₹500 crore to ₹1,300 crore. While the project was initially sanctioned with an outlay of ₹500 crore, the allocation was enhanced to Rs 1,300 crore in the latest budget, keeping future requirements in mind, he added.

Of this, around ₹462 crore has already been paid, and the remaining amount will be cleared within the current financial year, Sood said.

Sood said the payment process to the Delhi Development Authority (DDA) for land allotment has also been expedited. He said the Narela Education City would not be limited to physical infrastructure but would be developed as a shared campus based on global best practices.

Common facilities such as modern libraries, advanced laboratories, seminar halls, auditoriums, and research and innovation centres will be created to ensure optimal use of resources and wider access for students, Sood said.

The minister said Indira Gandhi Delhi Technical University for Women (IGDTUW) had earlier been allotted 50 acres of land, and with the latest allocations, the government is moving steadily towards developing a world-class education and innovation hub spread over nearly 160 acres in Narela.

Residential facilities in the form of LIG, MIG, HIG and EWS flats for faculty and staff are also planned within the university campuses, he said. Various universities have proposed investments of about ₹567 crore for the construction of flats, hostels and related infrastructure.

International consultants and scientific studies are being used to guide the planning and execution of the project, the minister added. Sood further said Narela holds strategic importance, with work on the Rithala-Narela Metro corridor currently underway.

Improved connectivity is expected to spur overall development in the surrounding areas. According to the minister, the establishment of universities is also likely to generate significant direct and indirect employment opportunities, including teaching and non-teaching jobs, hostel services and allied activities.

The minister said that within a short span of 11 months, the Delhi government has taken concrete steps towards reforms in school, higher and technical education, and that these changes are visible on the ground rather than remaining confined to announcements.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- पंजाब केसरी DELHI ---------- D 11 जनवरी, 2026 ▸ रविवार

नरेला में बनेगी वर्ल्ड क्लास एजुकेशन सिटी, डीडीए ने आईपी यूनिवर्सिटी व डीईटीयू को सौंपा जमीन का कब्जा

एलजी वीके सक्सेना ने शिक्षा मंत्री आशीष सूद को सौंपे जमीन के कागज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने शनिवार को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी और दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी (डीईटीयू) को नरेला में नए कैंपस के निर्माण के लिए जमीन पर कब्जा सौंप दिया। उप-राज्यपाल वीके सक्सेना ने दोनों यूनिवर्सिटी की ओर से दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद को जमीन के कागज सौंपे। इस अवसर पर मौजूद दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भूमि के कब्जे के दस्तावेज प्राप्त किए। उपराज्यपाल और शिक्षा मंत्री ने इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों को बधाई देते हुए कहा कि उनके परिसरों का विस्तार, न केवल दिल्ली के छात्रों को, बल्कि पूरे देश के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और उच्च शिक्षा के अग्रणी केंद्र के रूप में दिल्ली की स्थिति को और मजबूत करेगा।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद को कागजात सौंपते एलजी वीके सक्सेना साथ में अन्य।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी में उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से नए परिसरों की निर्माण के लिए भूमि के आवंटन को पूर्व कीअरविंद केजरीवाल सरकार ने रोक दिया था, क्योंकि उसने विश्वविद्यालयों को आवंटित भूमि के बदले कोई भी राशि देने से इनकार कर दिया था। नरेला में विश्वविद्यालय परिसरों का विस्तार इस क्षेत्र को शिक्षा के एक उभरते केंद्र के रूप में विकसित करने की उपराज्यपाल की व्यापक परिकल्पना के अनुरूप है। इस पहल से दिल्ली के शैक्षिक बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने के साथ-साथ, नरेला और दिल्ली के समग्र विकास को गति मिलने की उम्मीद है, जिससे यह एक प्रमुख शैक्षिक औरअवसंरचना केंद्र के रूप में स्थापित हो जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com

NAME OF NEWSPAPERS नई दिल्ली | रविवार, 11 जनवरी 2026 DATED

नरेला बनेगी वर्ल्ड क्लास एजुकेशन सिटी, सरकार ने बजट बढ़ाकर किया 1300 करोड़

नरेला एजुकेशन सिटी में दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी और आईपी यूनिवर्सिटी को मिली जमीन, इनोवेशन, रिसर्च और रोजगार का नया हब बनेगा, शिक्षा मंत्री बोले- जल्द जमीन पर दिखेगा काम

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नरेला एजुकेशन सिटी को अब वर्ल्ड क्लास एजुकेशन और इनोवेशन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने प्रोजेक्ट का बजट 500 करोड़ से बढ़ाकर 1300 करोड़ रुपये कर दिया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इसे युवाओं के भविष्य में निवेश बताते हुए कहा कि यह बदलाव कागजों तक नहीं, जमीन पर दिखेगा। सरकार नरेला एजुकेशन सिटी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करेगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया, इससे पहले इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयू) को 50 एकड़ भूमि का पोजेशन लेटर दिया जा चुका है। इस तरह नरेला में करीब 160 एकड़ भूमि पर वर्ल्ड क्लास एजुकेशन और इनोवेशन हब विकसित करने की तैयारी है। सरकार भूमि आवंटन के लिए डीडीए को भुगतान की प्रक्रिया भी तेजी से कर रही है। शुरुआत में परियोजना के लिए 500 करोड़ का बजट था, लेकिन भविष्य और जरूरतों को देखते हुए हालिया बजट में इसे बढ़ाकर 1300 करोड़ किया गया है।

आईजीडीटीयू को भी 50 एकड़ भूमि दी : आशीष

मंत्री ने बताया, इससे पहले इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयू) को 50 एकड़ भूमि का पोजेशन लेटर दिया जा चुका है। इस तरह नरेला में करीब 160 एकड़ भूमि पर वर्ल्ड क्लास एजुकेशन और इनोवेशन हब विकसित करने की तैयारी है। सरकार भूमि आवंटन के लिए डीडीए को भुगतान की प्रक्रिया भी तेजी से कर रही है। शुरुआत में परियोजना के लिए 500 करोड़ का बजट था, लेकिन भविष्य और जरूरतों को देखते हुए हालिया बजट में इसे बढ़ाकर 1300 करोड़ किया गया है।

रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में दूरगामी असर डालने वाला फैसला लिया है।

नरेला को वर्ल्ड क्लास एजुकेशन और इनोवेशन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। शनिवार को उपराज्यपाल की मौजूदगी में लोक निवास में दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी को करीब 12.69 एकड़ और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विवि को करीब 22.43 एकड़ भूमि का पोजेशन लेटर सौंपे गए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इससे नरेला एजुकेशन सिटी परियोजना को तेज रफ्तार मिलेगी।

इस तरह विकसित होगी वर्ल्ड क्लास एजुकेशन सिटी। फोटो एआई जनरेटेड

ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस पर आधारित होगा कैंपस

मंत्री ने कहा, एजुकेशन सिटी सिर्फ इमारतों का समूह नहीं, यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस पर आधारित साझा कैंपस मॉडल होगा, जहां लाइब्रेरी, लैब, सेमिनार हॉल, ऑडिटोरियम और रिसर्च व इनोवेशन से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसका मकसद संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना और छात्रों को सीधा लाभ पहुंचाना है। इसके साथ ही नरेला में बनने वाले विश्वविद्यालय परिसरों में फैकल्टी व स्टाफ के लिए आवासीय सुविधाएं भी तैयार की जाएंगी।

शिक्षा के लिए ठोस बदलाव : सूद

मंत्री ने बताया, नरेला रणनीतिक रूप से भी अहम होगा। रिठाला-नरेला मेट्रो कॉरिडोर पर काम चल रहा है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आसपास का विकास तेज होगा। विश्वविद्यालयों के स्थापित होने से शिक्षकों, नन-टीचिंग स्टाफ, हॉस्टल सेवाओं और अन्य सहायक क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे।

डीडीए ने कैंपस विस्तार के लिए आईपीयू को 22.43 एकड़ जमीन हस्तांतरित की

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने नरेला में तैयार होने वाले नए कैंपस बनाने की दिशा में एक कदम और बढ़ा दिया है। दरअसल डीडीए ने शनिवार को दिल्ली के उपराज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति विनय कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में आईपीयू को नरेला में 22.43 एकड़ जमीन का औपचारिक हस्तांतरण कर दिया। यह हस्तांतरण विश्वविद्यालय के विस्तार योजनाओं और नरेला में अपने तीसरे परिसर की स्थापना में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अब कैंपस का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। निर्माण के बाद आईपीयू के दिल्ली में अब तीन कैंपस हो जाएंगे। आईपीयू के कुलपति पद्मश्री प्रो डॉ महेश वर्मा ने कहा कि नरेला में जमीन का कब्जा मिलने पर हम आईपीयू के तीसरे परिसर की स्थापना के सपने को साकार करने के करीब आ गए हैं। यह परिसर न केवल हमारी भौतिक उपस्थिति का विस्तार करेगा, बल्कि उभरती राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों को पूरा करने के लिए शैक्षिक इकोसिस्टम के रूप में काम करेगा।

नरेला में तैयार होना है आईपीयू का नया कैंपस

नरेला परिसर को एक अत्याधुनिक केंद्र के रूप में देखा जा रहा है, जो उच्च मांग और समकालीन कार्यक्रमों की पेशकश करेगा। इस परिसर में एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों, स्वास्थ्य और आयुष, फिल्म प्रोडक्शन और संचार, कृषि और संबद्ध अध्ययन, रक्षा और रणनीतिक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और प्रबंधन में स्नातक और स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम शुरू होंगे। इनमें से कुछ नए कार्यक्रम पहले से ही विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में शुरू हो चुके हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSP दैनिक भास्कर रविवार, 11 जनवरी 2026 ATED

मिली जमीन • नरेला अब जल्द बनेगा वर्ल्ड क्लास एजुकेशन हब

डीडीए ने जीजीएसआईपीयू व डीईटीयू को कैंपस के लिए जमीन का कब्जा सौंपा

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

डीईटीयू अभी मुखर्जी नगर में एक स्कूल भवन में चल रही

दिल्ली का नरेला अब जल्द ही वर्ल्ड क्लास एजुकेशन हब बनेगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने शनिवार को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) और दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी (डीईटीयू) को उनके नए कैंपस के लिए नरेला में जमीन का कब्जा सौंप दिया। इस दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना और शिक्षा मंत्री आशीष सूद के अलावा डीडीए और इन दोनों यूनिवर्सिटी के बड़े अधिकारी मौजूद रहे।

एलजी सक्सेना ने डीईटीयू को 12.69 एकड़ और जीजीएसआईपीयू को 22.43 एकड़ जमीन का कब्जा सौंपा। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भूमि के कब्जे के दस्तावेज प्राप्त किए। एलजी और शिक्षा मंत्री ने दोनों विश्वविद्यालयों को बधाई देते हुए कहा कि उनके परिसरों का विस्तार न केवल दिल्ली के छात्रों को, बल्कि पूरे देश के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और उच्च शिक्षा के अग्रणी केंद्र के रूप में दिल्ली की स्थिति को और मजबूत करेगा। नरेला में बन रही एजुकेशन सिटी 160 एकड़ में होगी। सभी प्रमुख यूनिवर्सिटीज एक ही परिसर में होंगी। यह कैंपस ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस पर आधारित होगा। इसमें स्टूडेंट्स को वर्ल्ड क्लास शिक्षा मिलेगी। इसे रिसर्च और इनोवेशन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। परिसर में आधुनिक लाइब्रेरी, लैब, सेमिनार हॉल, ऑडिटोरियम जैसी सुविधाएं होंगी।

डीईटीयू को नरेला के सेक्टर जी-2/जी-6 में 12.69 एकड़ जमीन दी गई है, जिसके लिए दिल्ली सरकार ने डीडीए को 92.16 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। डीईटीयू जल्द ही यहां अपना परिसर स्थापित करने का काम शुरू करेगी, जो वर्तमान में मुखर्जी नगर में एक स्कूल भवन में चल रही है। इसी तरह, जीजीएसआईपीयू को नरेला में 22.43 एकड़ जमीन दी गई है, जिसके लिए डीडीए को 162.90 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। जीजीएसआईपीयू उत्तरी दिल्ली में अपना विस्तार करते हुए अपना तीसरा परिसर स्थापित करने जा रहा है। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय द्वारका स्थित अपने मुख्य परिसर और पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार स्थित परिसर से संचालित होता है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----- । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 10 जनवरी 2026 5

मकर सक्रांति पर DDA लाएगा प्रीमियम हाउसिंग स्कीम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मकर सक्रांति के मौके पर डीडीए अपनी प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2026 का रजिस्ट्रेशन शुरू कर रहा है। इस स्कीम में कुल 582 प्रॉपर्टीज रहेंगी। स्कीम में विभिन्न जगहों पर एचआईजी, एलआईजी, एमआईजी, जनता और ईएचएस फ्लैट्स के साथ कार और स्कूटर गैराज भी शामिल है।

डीडीए के अनुसार जसोला में सबसे अधिक 15 एचआईजी फ्लैट्स है। इनका रिजर्व प्राइज 2.14 करोड़ है। एसएफएस फ्लैट्स रोहिणी में 5, वसंत कुंज में एक, गाजीपुर में 4 और द्वारका में एक है। इनका रिजर्व प्राइज 99 लाख से 1.21 करोड़ तक का है। एमआईजी फ्लैट्स दिलशाद गार्डन में एक, द्वारका में 14, ईस्ट ऑफ लोनी रोड में एक, जहांगीरपुरी में 17, लोकनायकपुरम में 160, मादीपुर में एक, नंदनगरी में 4, रोहिणी में 13 फ्लैट्स है। इनका रिजर्व प्राइज 53 लाख से 1.45 करोड़ तक है।

AI Image

जनता और EHS फ्लैट्स के साथ कार और स्कूटर गैराज भी शामिल

एलआईजी के फ्लैट्स करोल बाग में 46, द्वारका में 25, मानसरोवर पार्क में एक, नंद नगरी में एक, नसीरपुर द्वारका में 9, पश्चिम विहार में 3, रामपुरा में 5, रोहिणी में 121, शालीमार बाग में 2, विकासपुरी में 8 है। इनकी रेंज 20 लाख से 1.23 करोड़ है। शाहपुर जट में एक जनता फ्लैट है। जिसका रिजर्व प्राइज 18 लाख के करीब है। ईएचएस के फ्लैट्स द्वारका में 65, अशोक नगर में एक, कोंडली में एक, नसीरपुर द्वारका में 14 है। इनका रिजर्व प्राइज 26 लाख से 88 लाख का है। वही, अशोक विहार में 15, माल रोड पर 7, रोहिणी में 8 और पीतमपुरा में 12 कार और स्कूटर पार्किंग है। इनका रिजर्व प्राइज 3 लाख से 42 लाख तक है।

स्कीम में रजिस्ट्रेशन और अर्नेस्ट मनी जमा करने की प्रक्रिया 14 जनवरी को सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसकी अंतिम तिथि 13 फरवरी है जबकि फाइनल सबमिशन 16 फरवरी तक किया जा सकता है। ई-ऑक्शन का शेड्यूल 19 फरवरी को जारी होगा। ई-ऑक्शन का डेमो 20 से 22 फरवरी तक चलेगा। फ्लैट्स के हिसाब से ऑक्शन की प्रक्रिया 23 से 27 फरवरी तक चलेगी। रजिस्ट्रेशन फीस 2500 रुपये होगी। यह नॉन रिफंडेबल रहेगी।

यह होगी अर्नेस्ट मनी

- LIG, EHS, जनता 4 लाख
- MIG, SFS 10 लाख
- HIG 15 लाख
- कार गैराज 4 लाख
- स्कूटर गैराज 1 लाख

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JANUARY 11, 2026 ----DATED----

DDA allots Narela land to 2 govt univs for new campuses

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: To promote the all-round development of the Narela sub-city and transform it into a major education and sports hub, Delhi Development Authority (DDA) on Saturday handed over possession of land to Guru Gobind Singh Indraprastha University (GGSIPU) and Delhi Teachers' University (DeTU) for setting up new campuses.

Lieutenant governor VK Saxena formally handed over the documents to education minister Ashish Sood. Delhi Teachers' University was allotted 12.7 acres in Sector G-2/G-6 of Narela, for which Delhi govt paid Rs 92.2 crore to DDA. DeTU, which functions from a school building in north Delhi's Mukherjee Nagar and lacks basic infrastructural facilities, is expected to begin work for the new campus soon.

GGSIPU was handed over 22.4 acres for Rs 162.9 crore to set up its third campus and expand its footprint in north Delhi. It now operates from the main campus in Dwarka and its east Delhi premises at Surajmal Vihar.

According to DDA, the land parcels were originally allotted in Jan 2024 following the universities' requests. "However, the then Kejriwal govt chose to neglect the universities' requests and refused to make payment for the allotted land, due to which the allotment was put in abeyance," the authority stated. AAP didn't respond to the allegation.

The current BJP govt, led by Rekha Gupta, allocated Rs 500 crore for these universities in its first budget, of which Rs 452 crore was already paid to DDA. An additional provision of Rs 500 crore was also approved in the revised budget estimates.

Education minister Sood said Narela Education City won't be limited to just infrastructure. "It will be developed as a shared campus model based on global best practices, featuring modern libraries, state-of-the-art laboratories, seminar halls, auditoriums and advanced research and innovation facilities."

This approach will ensure optimal utilisation of resources and provide direct benefits to a larger number of students, he emphasised. Residential facilities of various types will also be developed for the faculty and other staff on the university premises, he added. "Various universities proposed an investment of approximately Rs 567 crore for the construction of flats and hostels."

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS- हिन्दुस्तान
नई दिल्ली
रविवार
11 जनवरी 2026
ED

एजुकेशन सिटी के लिए जमीन सौंपी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली सरकार ने नरेला एजुकेशन सिटी को विश्वस्तरीय बनाने के लिए अहम कदम उठाया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना की उपस्थिति में डीडीए ने दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के लिए नरेला एजुकेशन सिटी में लगभग 12.69 एकड़ और 22.43 एकड़ भूमि शिक्षा मंत्री आशीष सूद को सौंपी।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि नरेला में लगभग 160 एकड़ भूमि पर एक विश्वस्तरीय एजुकेशन और इनोवेशन हब विकसित करने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। नरेला एजुकेशन सिटी में केवल इमारतें नहीं होगी, बल्कि यहां एक साझा

■ दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के लिए मिली भूमि

(शेयरड) कैंपस मॉडल होगा, जिसमें आधुनिक लाइब्रेरी, अत्याधुनिक लैब्स, सेमिनार हॉल, ऑडिटोरियम और रिसर्च व इनोवेशन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे अधिक छात्रों को इन सुविधाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा।

नरेला में बनाए जा रहे विश्वविद्यालय परिसरों में फैकल्टी और स्टाफ के लिए एलआईजी, एमआईजी, एचआईजी और ईडब्ल्यूएस फ्लैट के रूप में आवासीय सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा फ्लैट्स, हॉस्टल और अन्य सुविधाओं के निर्माण पर लगभग 567 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इन सभी कार्यों के लिए दिल्ली सरकार द्वारा वैज्ञानिक अध्ययन और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कंसल्टेंट्स की मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि नरेला एक रणनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण क्षेत्र है। रिठाला-नरेला मेट्रो कॉरिडोर का कार्य प्रगति पर है जिससे नरेला की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और आस पास के क्षेत्र के विकास को नया आयाम मिलेगा। इन विश्वविद्यालयों के स्थापित होने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

डीडीए ईडब्ल्यूएस फ्लैटों के लिए पंजीकरण शुरू

डीडीए जनता आवास योजना के तहत 144 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों के लिए पंजीकरण शुरू हो चुके हैं। इसमें पंजीकरण शुल्क 2500 रुपये के तहत डीडीए वेबसाइट https://eservices.dda.org.in/ पर फ्लैट खरीदार आवेदन कर सकते हैं। बाद में इसका ड्रॉ निकाला जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS—— अमर उजाला नई दिल्ली। मंगलवार। 13 जनवरी 2026 ——DATED——

दिन में पतंगबाजी, शाम को गीत-संगीत

नई दिल्ली। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद बांसेरा पार्क में 11वां इंडिया इंटरनेशनल डांस एंड म्यूजिक फेस्टिवल 16 से 18 जनवरी तक आयोजित करेगा। महोत्सव में एशिया, अफ्रीका, यूरोप के आठ देशों के 148 कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। हरदिन शाम 4 बजे से कार्यक्रम होंगे। दर्शकों को 3 बजे से प्रवेश मिलेगा। प्रवेश निःशुल्क है। यह आयोजन डीडीए के पतंग महोत्सव के साथ हो रहा है, जिसमें दिन में पतंगबाजी और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। महोत्सव का उद्घाटन उपराज्यपाल वीके सक्सेना करेंगे। 18 जनवरी को मालदीव, उज्बेकिस्तान के कलाकारों की प्रस्तुति होगी। संवाद